ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिंदी सीखो

पाठमाला

TERM - 2

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुन्ना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोश/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
10)	साहसी महिला	प्रेरक कथा	पाठ को छात्रों द्वारा स्पष्ट और शुद्ध शब्दोच्चरण में पढ़वाना और त्रुटियाँ आएँ तो सुधारना।	प्रश्नोत्तर परियोजना कार्य	शब्द बल, विदेशी शब्द, विलोम शब्द, वाक्य, प्रत्यय क्रिया विशेषण	इस्लामी वीर महिलाओं की कथाएँ सुनाना।	साहस, चतुरता बुद्धिमानी आदि गुणों का महत्व।
11)	शैतान और किसान	वार्तालाप	छात्रों द्वारा वार्तालाप से पढ़वाना।	प्रश्नोत्तर, किसने किससे कहा	शब्द बल, संज्ञा के भेद मुहावरे, युग्म शब्द	अभिनय द्वारा कहानी का प्रदर्शन करवाना	शैतानी वसवसों अहंकार, लालच आदि से परिचित कराना।
12)	हार नहीं होती (हरिवंशराय बच्चन)	कविता	कविता को स्पष्ट और शुद्ध ध्वनि में आरोह व अवरोह के साथ पढ़ना।	प्रश्नोत्तर, पंक्तियों को पूरा कीजिए	शब्द बल, युग्म शब्द, तुकबन्द पर्यायवाची शब्द	साहस संबंधी कथाएँ सुनाना	साहस, हिम्मत उत्साह श्रम चुनोतियों आदि का महत्व बताना।
13)	उज्ज्वल सूर्य	ऐतिहासिक कथा	पाठ को उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए शुद्ध शब्दोच्चारण में पढ़ना।	प्रश्नोत्तर, परियोजना कार्य	शब्द बल, प्रत्यय शब्द समूह के लिए एक शब्द, विपरीतार्थ बहुवचन	प्रसिद्ध इमामों से परिचित कराना एवं उनके ज्ञान की जानकारी देना।	बुद्धिमान, चतुर, प्रतिभाशाली, कुरआन शरीफ़ द्वारा समाधान
14)	यह देश है हमारा	कविता	कविता को छात्रों द्वारा उच्च स्वर में हाव-भाव एवं लय के साथ पढ़ने का आदेश दें। त्रुटियों का सुधार।	प्रश्नोत्तर वैकलिपक प्रश्न, परियोजना कार्य, भावार्य	शब्द बल, समान तुक वाले शब्द सर्वनाम, भिन्नार्थ	देश के प्रति श्रद्धा, प्रेम, आदर का भाव जगाएँ एवं यहाँ के सौन्दर्य से परिचित कराएँ।	देश का गौरव व शान्ति बनाए रखने के लिए हमें तन-मन-धन से इसकी रक्षा करनी चाहिए।
15)	अशफ़ाकुल्लाह ख़ाँ	देश प्रेम	पाठ का शीषर्क निकलवा कर छात्रों से अनुकरण वाचन करवाना। कठिन शब्दों का विभिन्न उक्तियों द्वारा अर्थ समझाना।	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान भरिए, परियोजना कार्य	शब्द बल द्वित्राक्षर समुच्चय बोधक शुद्ध अशुद्ध शब्द मुहावरे	भारत के वीर शहीदों से परिचित कराना।	देश के प्रति प्रेम, श्रद्धा और बलिदान की भावना को जागृत करना।
16)	एकता में प्रसन्नता	कविता	कविता को शुद्ध शब्दोच्चारण में लय के साथ प्रभावशाली ढंग से पढ़ना तथा कविता में आए नए शब्दों पर बल देना।	प्रश्नोत्तर, वैकलिपक प्रश्न	युग्म शब्द, उपसर्ग पर्यायवाची	एकता से संबंधित पशु पक्षियों की कथाएँ सुनाना	भिन्नता में एकता प्राकृतिक महत्व पारस्परिक प्रेम आदि।
17)	दस अनमोल रत्न	जीवनी	छात्रों से वार्तालाप द्वारा पाठ को पूरा करना।	परियोजना कार्य	विराम चिह्न द्वारा पढ़वाना।	दीन से परिचित कराना, दीनदार परिवारों से परिचित कराना।	दीन की तड़प, नबी से मुहब्बत, नबी की हदीसों पर आस्था।

विषय सूची

10. साहसी महिला (प्रेरक कथा)	1 -	7
11. शैतान और किसान (वार्तालाप)	8 -	19
12. हार नहीं होती (कविता)	20 –	25
13. उज्ज्वल सूर्य (ऐतिहासिक कथा)	26 -	31
14. यह देश है हमारा (कविता)	32 –	37
15. अशफ़ाकुल्लाह ख़ाँ (देश प्रेम)	38 -	43
16. एकता में प्रसन्नता (कविता)	44 –	51
17. दस अन्मोल रत्न (जीवनी, वार्तालाप)	52 -	64

साहसी महिला

(प्रेरक कथा)

10

अवधान (Involve)

इस्लामी युग में अपनी वीरता का प्रदर्शन करने वाली कुछ महिलाओं के नाम बताओ?

अध्ययन (Read)

वर्ष 5 हिजरी में अरब के मुशरिकीन और यहूद मदीने पर आक्रमण की तैयारी कर रहे थे। विशेष कर शहर मदीना में यहूदियों ने मुसलमानों के साथ विश्वासघात किया था। मुसलमानों के लिए यह बड़ी परीक्षा की घड़ी थी। परन्तु मुसलमान भयभीत हो कर पीछे नहीं हटे। यहाँ तक कि उन्होंने अपने प्राणों की परवाह भी नहीं की।

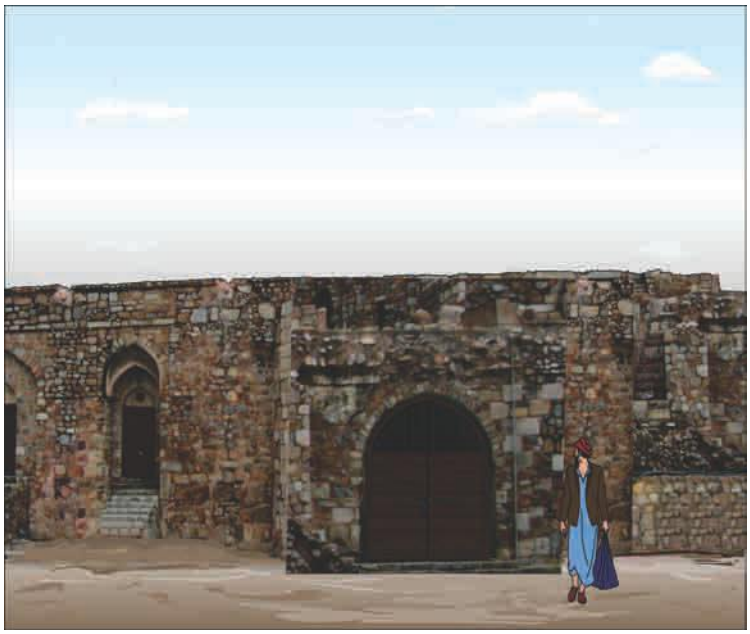

संवेदना (Empathise)

यदि घर में कोई पुरुष सदस्य न हो तो क्या हम यह बात अपने मित्रों या पड़ोसियों को बताएँगे?

आप (ﷺ) युद्ध में जाते समय महिलाओं एवं बालकों की सुरक्षा के लिए उन्हें फ़ारे नामक क़िले में बन्द कर दिया था। नबी (ﷺ) का विचार था कि कहीं यहूदी दल बनू क़ुरैज़ा उन पर आक्रमण न कर दे। इसलिए एक वृद्ध सहाबी हज़रत हस्सान जो एक प्रसिद्ध कवि भी थे, उन्हें क़िले की रक्षा के लिए छोड़ा गया । यद्यपि क़िले में रक्षा का पूरा प्रबन्ध था फिर भी आक्रमण का भय था कि शत्रु महिलाओं को अकेला देख किसी भी समय चढ़ाई कर सकता थे। हज़रत मुहम्मद (ﷺ) अपने सभी साथियों के संग युद्ध के मैदान में थे।

युद्ध के दिनों में एक यहूदी दल क़िले पर आक्रमण करने केलिए आया और क़िले के निकट टहर गया। क़िले के अन्दर कितनी सेना है। इस बात का पता लगाने केलिए एक गुप्तचर को भेजा ।

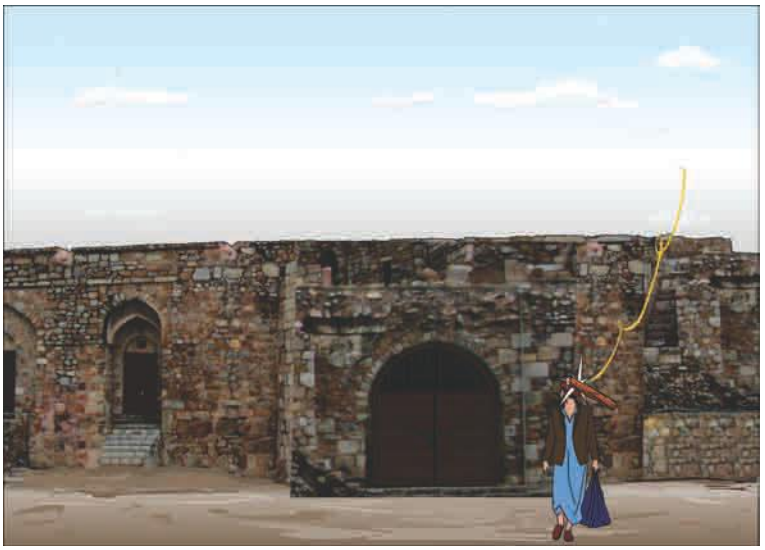

गुप्तचर क़िले के पास आया और क़िले की जाँच पड़ताल करने लगा। सौभाग्य से एक वृद्ध साहसी महिला ने उस यहूदी को देख लिया। वह अपनी चतुराई से समझ गई कि यह व्यक्ति गुप्तचर है। यदि वह जाकर अपने दल के लोगों को बता दिया तो संभव है कि वे लोग क़िले पर आक्रमण कर दें। यह सोच कर वीर महिला ने सुरक्षा कर्मी हज़रत हस्सान (رضی اللہ عنہ) से कहा कि बाहर जाकर इस यहूदी को मार दो। हज़रत हस्सान (رضی اللہ عنہ) बहुत वृद्ध एवं निर्बल हो चुके थे।

वह बोले यदि मैं बलवान होता तो हुज़ूर (ﷺ) के संग युद्ध स्थल में होता।

संवेदना (Empathise) *घर में कोई चोर या अजनबी व्यक्ति घुस आए तो आप क्या करेंगे?*

वह वीर महिला हज़रत हस्सान (رضی اللہ عنہ) का उत्तर सुनकर तुरन्त उठीं और तंबू की लकड़ी उखाड़ कर क़िले से बाहर आई। उन्होंने उस यहूदी के सिर पर इतनी शक्ति से लकड़ी मारी कि वह उसी स्थान पर ढेर हो गया। उसके बाद उन्हेंने उसका सिर काट कर यहूदी के क्षेत्र में फेंक दिया। ऐसा करके वीर महिला ने शत्रु की चाल को असफ़ल बना दिया तथा शत्रु के हृदय में अपना भय बिठा दिया। अपने साथी का कटा सर देख कर यहूदी को विश्वास हो गया कि क़िले में भी सेना नियुक्त है। इसलिए हम क़िले पर आक्रमण नहीं कर सकते।

महिलाओं की सुरक्षा एवं गुप्तचर शत्रु की हत्या करना भी युद्ध में भाग लेने के बराबर था। नियम के अनुसार युद्ध में जीते हुए माल में से साहसी महिला को भी भाग दिया गया। यह प्रथम मुस्लिम महिला थी, जिन्होंने अपनी वीरता को दर्शाया। उस समय उनकी आयु 58 (अट्ठावन) वर्ष थी।

संवेदना (Empathise)

किसी खेल में जीते पुरस्कार में धन राशि मिलने पर आप उस का क्या करेंगे?

यह वीर एवं निडर महिला रसूल अकरम (ﷺ) की बुआ हज़रत सफ़िया सरदार अब्दुल मुत्तलिब की पुत्री थीं। हज़रत सफ़िया बड़ी नेक एवं दयालु महिला थीं। वे इस्लाम स्वीकार करने वाली प्रथम महिलाओं में से एक हैं (वे इस्लाम के प्रारंभिक युग में ही मुसलमान हो गई थीं) उनका बाल काल हुज़ूर (ﷺ) के साथ एक घर में ही बीता था। इसलिए उन्हें नबी से बहुत प्रेम था।

हज़रत उमर फ़ारूक़(رضی اللہ عنہ) की ख़िलाफ़त के युग में यह वीर महिला अपनी आयु के 73 वर्ष पूरे कर के अपने पालनहार से जा मिलीं। उनको जन्नतुल बक़ी नामक प्रसिद्ध क़ब्रस्तान में दफ़नाया गया।

प्रिय बालको एवं बालिकाओ! हमारा इतिहास ऐसी सत्य कथाओं से भरा पड़ा है। परन्तु हमें अपने इतिहास में रूचि न होने के कारण इसका ज्ञान ही नहीं। आज हम इतने डरपोक हो गए कि अपने साए से भी भयभीत हो जाते हैं। हमारे घर की महिलाएँ छोटे से झिंगुर को देख कर ऐसा शोर मचाती हैं जैसे शेर या सांप आ गया हो। हमें चाहिए कि हम अपना मार्ग दर्शक सहाबा एवं सहाबियात को बनाएँ और कायरता का जीवन छोड़ कर वीरता को अपनाएँ।

I. शब्दार्थ

1.	विश्वासघात	-	ग़द्दारी, धोखा
2.	आक्रमण	-	हमला
3.	युवा	-	जवान
4.	गुप्तचर	-	जासूस
5.	निर्बलता	-	कमज़ोरी
6.	प्रथम	-	पहली, पहला
7.	मार्ग दर्शक	-	रास्ता दिखाने वाला

चिंतन (Contemplate)

II. सुनिए - उत्तर दीजिए (मौखिक रूप में)

1. हज़रत सफ़िया (رضی اللہ عنہا) के स्थान पर आप होते तो क़िले की रक्षा कैसे करते?
2. हज़रत सफ़िया (رضی اللہ عنہا) ने यहूदी का गला काटकर उसी के क्षेत्र में क्यों फेंक दिया। क्या यह उचित है? अपने शब्दों में बताइए।
3. कुछ साहसी महिलाओं के नाम बताइए?

III. लिखिए

1. हुज़ूर (ﷺ) हज़रत हस्सान(رضی اللہ عنہ) को युद्ध में क्यों नहीं ले गए?
2. क़िले के आस पास जासूसी करने कौन आया था?
3. हज़रत सफ़िया (رضی اللہ عنہا) ने क़िले की रक्षा के लिए क्या किया?
4. हज़रत सफ़िया (رضی اللہ عنہا) की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?
5. युद्ध में जीते हुए माल का हिस्सा हज़रत सफ़िया (رضی اللہ عنہا) को क्यों दिया गया?

IV. भाषा-ज्ञान

विलोम

परिभाषा : उल्टे अर्थ वाले शब्दों को 'विपरीत - शब्द या विलोम शब्द कहते हैं। **उदाहरण:** खुशी x ग़म सांझ x सवेरा

क. विलोम शब्द

1. निर्बल
2. वृद्ध
3. पुरुष
4. योग्य
5. सफल

ख. पढ़िए, समझिए और कीजिए।

क्रिया

परिभाषा : जो शब्द किसी काम के करने या होने के बारे में बताए, उसे क्रिया कहते हैं।

उदाहरण : दादीमाँ क़ुरआन पढ़ रही हैं।

बच्चो! आप जानते हैं कि खेलना, सोना, लड़ना, पढ़ना, आना, जाना आदि शब्दों को क्रिया कहते हैं।

अब नीचे दिए गए वाक्य पढ़िए।

वीरांगना ने लकड़ी से यहूदी के सिर पर ज़ोर से मारा।

मैदान में घोड़े तेज़-तेज़ दौड़ रहे हैं।

इन वाक्यों में ज़ोर से, तेज़-तेज़ ये शब्द क्रिया के विषय में बताते हैं कि काम कैसे हो रहा है।

विलोम

ग. परिभाषा : ऐसे शब्द जो क्रिया की विशेषता बताते हैं उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

जैसे : अहमद अच्छा पढ़ता है।

अच्छा - विशेषण पढ़ता है - क्रिया

अहमद अच्छा पढ़ता है। (रेखांक्ति शब्द क्रिया विशेषण)

में ।

नग़मा बाहर ख़ूब खेल रही है।

असद धीरे-धीरे पढ़ रहा है।

वायु तेज़ चल रही है।

सअद ने दूध अधिक पी लिया।

कोयल मधुर गाती है।

दादाजी धीरे-धीरे चल रहे हैं।

घ. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. विश्वासघात = _____
2. भयभीत = _____
3. सौभाग्य = _____
4. स्वीकार = _____
5. साहसी = _____

च. दिए गए उर्दू शब्दों को हिन्दी में लिखिए।

1. ख़ातिर = _____
2. परवाह = _____
3. ख़िलाफ़त = _____
4. दफ़न = _____

परियोजना कार्य

कोई पाँच वीरांगनाओं के चित्र अपनी उत्तर पुस्तिका में लगाइए और उनके बारे में दो-दो वाक्य लिखिए। ।

वार्तालाप (Communicate)

इस्लाम में साहसी महिलाओं के महत्व को बताते हुए कक्षा में बातचीत कीजिए।

विश्लेषण (Reflect)

सृजनात्मक कार्य

1) किसी 'पुस्तकालय' से पुस्तक लेकर कोई एक मुस्लिम वीरांगना की कथा लिखिए।

2) हुज़ूर (ﷺ) की कितनी बेटियाँ थीं और उनके नाम क्या थे? उनके बारे में दो दो पंक्तियाँ लिखिए?

विकास (Evolve)

पाठशाला जाते समय कोई अज्ञात व्यक्ति आपका सामान छीनले तो आप क्या करेंगे?